एक जिंदगी
एक मंजिल
कार्डियाक साईंसिस
मैरिंगो सिम्स अस्पताल

हृदय और धड़कन

Marengo CIMS Hospital
HUMANE BY PRACTICE

वर्ष - 17, अंक -193, जनवरी 20, 2026

Price ₹ 5/-

हृदय रोग (दिल का दौरा) किसे कहते है?

डॉ. मिलन चग

MD, DM (Cardiology), DNB (Cardiology)
FACC (Fellow of American College of Cardiology)
Interventional Cardiologist
Heart Failure and Heart Transplant Cardiologist
Structural Heart Disease and TAVI Specialist
Lipidologist and Preventive Cardiologist
(मो) + 91-98240 22107
milan.chag@cims.me | www.milanchag.org

जीवनशैली में बदलाव करने से हृदय रोग के खतरे को 60 प्रतिशत तक रोका जा सकता है।

दुनिया में विभिन्न बीमारियों से मरने वाले लोगों की संख्या में हृदय रोग से मरने वालों की संख्या सबसे ज्यादा है। लगभग एक-तिहाई लोग दिल का दौरा या स्ट्रोक से पीड़ित होते हैं।

सवाल यह है कि दिल का दौरा पड़ने का कारण क्या है?

हृदय एक पंप की तरह काम करता है और हमारे जीवनकाल के दौरान शरीर में 200 मिलियन लीटर रक्त पंप करता है। यह एक ही अंग हमारे शरीर के लिए दिन-रात बिना किसी रुकावट के काम करता है। इसे कार्यशील बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन और ग्लुकोज़ की आवश्यकता होती है, जो ऊपर स्थित रक्त वाहिकाओं (धमनियों) के माध्यम से पहुंचती है।

जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ती है, इन धमनियों में कोलेस्ट्रॉल (वसा) जमा होने लगता है और इसलिए धमनियां संकुचित हो जाती हैं। इसके कारण, परिश्रम के दौरान व्यक्ति को हृदय में दर्द महसूस होता है (जिसे एन्जाइना कहा जाता है)। दर्द अस्थायी होता है और 2 से 5 मिनट के आराम के बाद या नाइट्रोग्लिसरीन की गोली चूसने से दर्द कम हो जाता है।

यह आम धारणा भी सही नहीं है कि एन्जाइना का दर्द छाती के बायीं ओर या बाएं हाथ में होता है। यह दर्द दाहिने हाथ या कंधे, गले, निचले जबड़े, पेट या यहां तक कि छाती के बीच में भी हो सकता है। संभव है की 20% लोगों को बिल्कुल भी दर्द महसूस नहीं होता।

जब यह संकुचित धमनी अचानक बंद हो जाती है, तो हृदय के कुछ हिस्से में रक्त की आपूर्ति पूरी तरह से रुक जाती है और परिणामस्वरुप दिल का दौरा पड़ता है। क्या आप जानते हैं कि 60% पुरुषों और 50% महिलाओं को हृदय रोग के कोई चेतावनी संकेत नहीं मिलते हैं और इसके पहले लक्षण के रुप में सीधा दिल का दौरा पड़ता है? और सबसे गंभीर समस्या तो ये है कि हार्ट अटैक के दौरान 25% लोग डॉक्टर के पास पहुंचने से पहले ही मर जाते हैं। दुनिया में किसी भी बीमारी से इतनी ऊंची और इतनी तेज मृत्यु नहीं होती। दुःख की बात यह है कि हृदय संबंधी बीमारियों की दर दुनिया के किसी भी देश भारत

कार्डियोलोजी	
डॉ केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ विपुल कपूर	+91-98240 99848
डॉ तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130
डॉ हिरेन केवडीया	+91-98254 65205
डॉ कश्यप शेठ	+91-99246 12288

कार्डियोथोरासिक सर्जरी	
डॉ धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ अमित चंदन	+91-96990 84097
डॉ निकुंज व्यास	+91-7353165955
डॉ ध्यानिल त्रिवेदी	+91 99989 67576

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजी	
डॉ अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ हिरेन केवडीया	+91-98254 65205

वास्क्युलर और थोरासीक सर्जरी	
डॉ प्रणव मोदी	+91-99240 84700

पिडियाट्रीक कार्डियोलोजी	
डॉ मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ कश्यप शेठ	+91-99246 12288

पिडियाट्रीक और स्ट्रक्चरल हार्ट सर्जन	
डॉ शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियाक एनेस्थेसियोलोजी	
डॉ निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ चिंतन शेठ	+91-91732 04454

जीवनशैली में बदलाव करने से हृदय रोग के खतरे को 60 प्रतिशत तक रोका जा सकता है!

दुनिया में विभिन्न बीमारियों से मरने वाले लोगों की संख्या में हृदय रोग से मरने वालों की संख्या सबसे ज्यादा है। लगभग एक-तिहाई लोग दिल का दौरा या स्ट्रोक से पीड़ित होते हैं।

सवाल यह है कि दिल का दौरा पड़ने का कारण क्या है?

हृदय एक पंप की तरह काम करता है और हमारे जीवनकाल के दौरान शरीर में 200 मिलियन लीटर रक्त पंप करता है। यह एक ही अंग हमारे शरीर के लिए दिन-रात बिना किसी रुकावट के काम करता है । इसे कार्यशील बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन और ग्लुकोज़ की आवश्यकता होती है, जो ऊपर स्थित रक्त वाहिकाओं (धमनियों) के माध्यम से पहुंचती है।

जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ती है, इन धमनियों में कोलेस्ट्रॉल (वसा) जमा होने लगता है और इसलिए धमनियां संकुचित हो जाती हैं। इसके कारण, परिश्रम के दौरान व्यक्ति को हृदय में दर्द महसूस होता है (जिसे एनजाइना कहा जाता है)। दर्द अस्थायी होता है और 2 से 5 मिनट के आराम के बाद या नाइट्रोग्लिसरीन की गोली चूसने से दर्द कम हो जाता है।

यह आम धारणा भी सही नहीं है कि एनजाइना का दर्द छाती के बायीं ओर या बाएं हाथ में होता है। यह दर्द दाहिने हाथ या कंधे, गले, निचले जबड़े, पेट या यहां तक कि छाती के बीच में भी हो सकता है। संभव है की 20% लोगों को बिल्कुल भी दर्द महसूस नहीं होता।

हृदय रोग से बचने के लिए निम्नलिखित समीकरण याद रखें:	
ब्लड प्रेशर	
श्रेष्ठ	< 120/80 mm Hg
सामान्य	< 130/80 mm Hg
सामान्य से ज़्यादा	130-139 / 80-89 mm Hg
हाई बीपी (hypertension)	> 140/90 mm Hg

लिपिड प्रोफ़ाइल	
सामान्य	**हृदय रोग, डायाबिटीस, हाई बीपी के मरीज**
कोलेस्ट्रॉल < 150 मिलीग्राम %	कोलेस्ट्रॉल < 150 मिलीग्राम %
LDL <70 मिलीग्राम %	LDL <30-50 मिलीग्राम %
ट्राइग्लिसराइड <120 मिलीग्राम%	ट्राइग्लिसराइड <100 मिलीग्राम%
HDL >45 मिलीग्राम%	HDL >45 मिलीग्राम%
LDL/HDL <1.5	LDL/HDL <1.0-1.5

सामान्य वजन मापने का सरल तरीका

ऊंचाई (cm) - 100 वजन (kg)

उदाहरण के तौर पर यदि आपकी हाइट 160 cm है

160 सेमी - 100 सेमी = 60 Kg

मधुप्रमेह (डायाबिटीस)		
फास्टिंग प्लाजमा ग्लुकोज़	**हीमोग्लोबिन Alc**	**2-घंटे का ओरल ग्लूकोज़ टोलेरेंस टेस्ट (OGTT)**
नॉर्मल 70-99 mg/dL	<5.7%	<140 mg/dL
प्रिडायाबिटीस 100-125 mg/ dL	5.7%-6.4%	140-199 mg/dL
डायाबिटीस > 125 mg/ dL	>6.4%	> 199 mg/dL

डायाबिटीस का कंट्रोल

3 महिना का औसत (Glycated Hb) = 6.0-7.0

hs - CRP

<1 mg/L : नोर्मल. > 3 mg /dL : जोखमी

क्या हम हार्ट अटैक से बच सकते हैं?

केवल अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने से इस जोखिम को 60% तक कम किया जा सकता है। रोजमर्रा की जिंदगी में तनाव और बहुत ज्यादा भागदौड़ से दूर रहें और अपने तनाव को कम करने के लिए योग-ध्यान का सहारा लें, अपने आहार में हरी सब्जियां, फल शामिल करें। स्वस्थ वजन बनाए रखें और प्रतिदिन 45 से 60 मिनट शारीरिक व्यायाम को दें।

हमारा बीपी 130/80 मिमी Hg से नीचे होना चाहिए। यदि खून में फेट का स्तर अधिक है, तो डॉक्टर की सलाह के अनुसार आहार, व्यायाम और दवा से भी इसे कम किया जा सकता है। स्टैटिन समूह की दवाएं इसमें बहुत उपयोगी साबित हुई हैं और दिल के दौरे, स्ट्रोक और मृत्यु की दर को 30-50% से अधिक कम कर दिया है। भारतीयों में फेट की मात्रा नीचे टेबल में दी गई माहिती के अनुसार रखी जानी चाहिए।

यदि आपको डायाबिटीस है तो आमतौर पर 3 महीने का औसत रक्त शर्करा (ब्लड ग्लुकोज़) ग्लाइकेटेड Hb 6.0 से 7.0 के बीच होना चाहिए | सबसे महत्वपूर्ण बात, अगर आपको दिल की बीमारी विरासत में मिली है तो आपको भी इस बीमारी का खतरा है। फिर भी यह संभव है कि आप इससे बच सकते है | आइए आज से ही प्रयास शुरु करें|

रोटाब्लेटर, फ्रैक्शनल फ्लो रिजर्व (FFR), और IVUS

डॉ. केयूर परीख

MD (USA) FCSI (India) FACC (USA), FSCAI (USA)
Interventional Cardiologist

(Mo.) +91 98250 26999
keyur.parikh@cims.org

रोटाब्लेटर

मैरिंगो सिम्स कार्डियोलॉजी के पास रोटाब्लेटर्स के उपयोग का सबसे अधिक अनुभव है, तथा वह 1990 से रोटाब्लेटर्स से संबंधित जटिलताओं का सारयार कर रही है ।

रोटाब्लेटर का प्रयोग निम्नलिखित परिस्थितियों में किया जाता है:

जबकि प्लाक के पास केवल PTCA है । धमनी की दीवार को फुलाना या बड़ा करना अत्यंत कठिन लग सकता है ।

जब प्लाक में कैल्शियम की मात्रा अधिक हो और उसे आसानी से हटाया न जा सके ।

प्लाक बहुत लंबी है या जहां धमनी शुरु होती है वहां से शुरु होती है ।

धमनी में बहुत अधिक प्लाक हो सकता है, जिसे अन्य प्रोसिजर करने से पहले निकालना आवश्यक होता है ।

अन्य प्रोसीजर्स के लिए धमनी छोटी दिखाई दे सकती है ।

पहले PTCA या स्टेंट लगा दिए गए हैं और कट या चीरा बंद कर दिया गया है, रोटाब्लेटर एक छोटा सा ड्रिल है जिसमें एक घर्षणकारी, हीरे की नोक वाला बोर होता है। रोटाब्लेटर का उपयोग कैथेटर-आधारित प्रोसिजर में किया जाता है, जिसे रोटेशनल एथेरेक्टॉमी कहा जाता है । रोटेशनल एथेरेक्टॉमी एक प्रकार का मिनिमल इन्वेसिव सारयार है, जिसका उपयोग कभी-कभी कोरोनरी धमनी के अंदर सख्त प्लाक को तोड़ने के लिए किया जाता है ।

रोटेशनल एथेरेक्टोमी (रोटेब्लेशन) जटिल कोरोनरी धमनी स्टेनोसिस के इलाज के लिए एक वैकल्पिक उपकरण है । बैलून एंजियोप्लास्टी की तरह ल्यूमिनल डायामीटर को बढ़ाने और प्लाक को तोड़ने के बजाय, रोटैब्लेशन एथेरोस्क्लेरोटिक प्लाक को तोड़ता है । इसका मुख्य सिद्धांत डिफरेंशियल कटिंग का है ।

रोटाब्लेटर को एक गाइडवायर के माध्यम से कैथेटर से जोड़ा जाता है, जिसका उपयोग रुकावट वाले स्थान पर डाई इंजेक्ट करने के लिए किया जाता है। रोटाब्लेटर का ऊपरी भाग हीरे के अत्यंत छोटे टुकड़ों से लेपित होता है। वायु दाब का उपयोग ब्लेड की नोक या शीर्ष को प्लेट के विपरीत बहुत तेजी से घुमाने के लिए किया जाता है। इस गेंद को 19,000 RPM तक घुमाने के लिए बिजली के एक छोटे विस्फोट का उपयोग किया जाता है। परिणामस्वरूप, प्लाक घिस जाएगी या छोटे-छोटे टुकड़ों में टूट जाएगी । रोटाब्लेटर द्वारा हटाए गए 96 प्रतिशत प्लाक के टुकड़े 5 माइक्रोन से छोटे होते हैं । आई.वी. ये कण लीवर द्वारा नीचे धकेल दिए जाते हैं तथा शरीर के प्राकृतिक उत्सर्जन के माध्यम से बाहर निकल जाते हैं। हीरे का कोर (छोटा हीरा) केवल प्लाक को पीस देगा, क्योंकि यह धमनी की लोचदार कोशिकाओं की तुलना में अधिक कठोर और सख्त होता है ।

फ्रैक्शनल फ्लो रिजर्व (FFR)

मायोकार्डियल FFR हृदय की संकुचित धमनियों के कार्य का माप है। FFR का उपयोग यह निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है।

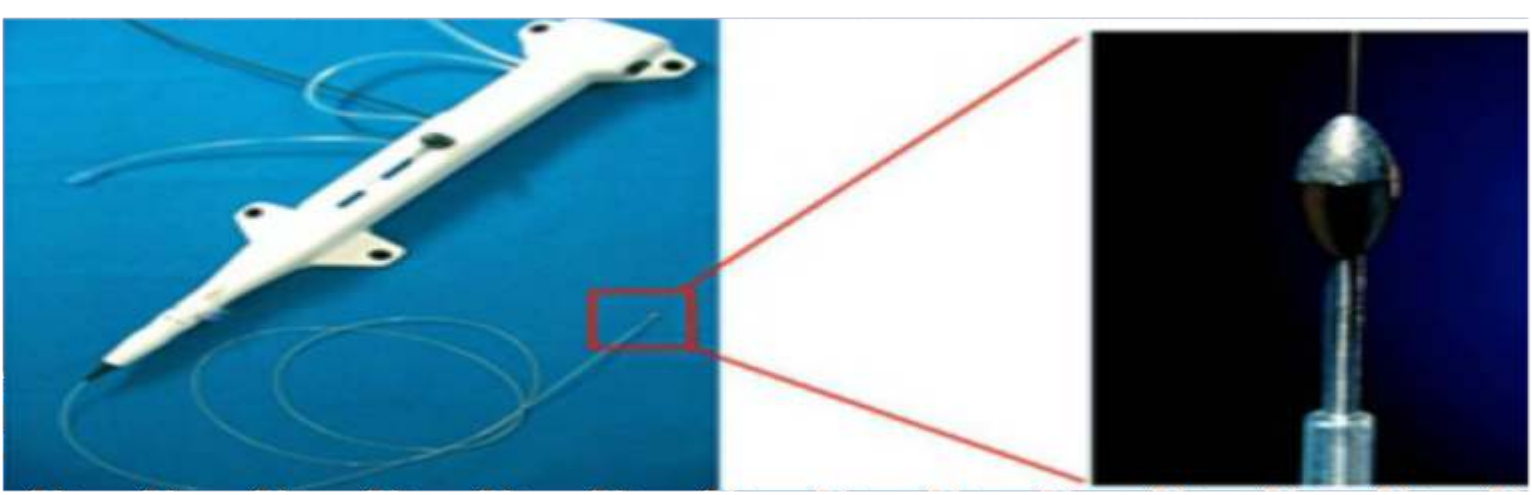

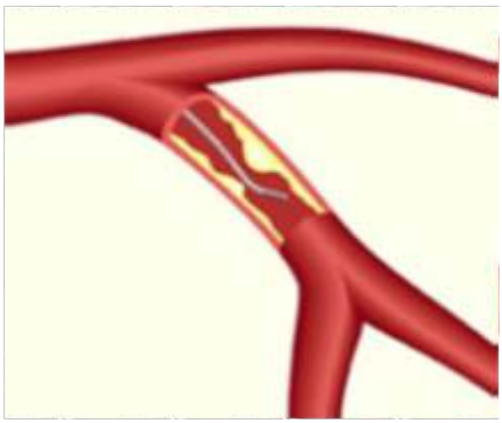

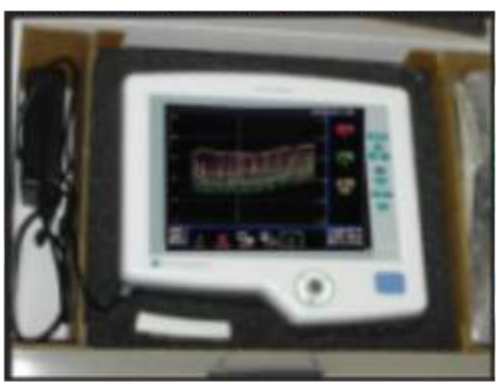

कि मध्यम से मध्यम रुकावटों पर एंजियोप्लास्टी या स्टेंटिंग की जानी चाहिए या नहीं।

FFR एक गाइड वायर-आधारित प्रोसीजर है जो कोरोनरी धमनी के एक विशिष्ट भाग में रक्त प्रवाह और बीपी को मापती है। FFR कोरोनरी एंजियोग्राम के दौरान एक मानक डायग्नोस्टिक कैथेटर के साथ किया जाता है।

FFR बहुवाहिनी रोग की स्थिति में अवरुद्ध घावों का पता लगाता है।

F F R प्रोसिजर: ट्रांसस्टेनोटिक दबाव को रिकॉर्ड करने और अधिकतम हाइपरमिक उत्तेजना प्रदान करने के लिए स्टेनोसिस के माध्यम से 0.014" दबाव गाइडवायर पारित किया जाता है।

FFR के लाभ

FFR एपिकार्डियल स्टेनोसिस के लिए एक विशिष्ट सूचकांक है और इसलिए यह इस बात का बेहतर संकेतक है कि रिवास्कुलराइजेशन से मरीज को कितना लाभ होगा।

FFR हृदय गति, बीपी और संकुचनशीलता से स्वतंत्र है।

IVUS

IVUS धमनी की दीवार का अंदर से 360 डिग्री टोमोग्राफिक दृश्य (चित्र) प्रदान करता है और एंजियोग्राफी की तुलना में अधिक पूर्ण और सटीक जांच संभव बनाता है। धमनी की दीवार के अंदर प्लाक की मात्रा और धमनी लुमेन का संकुचित होना

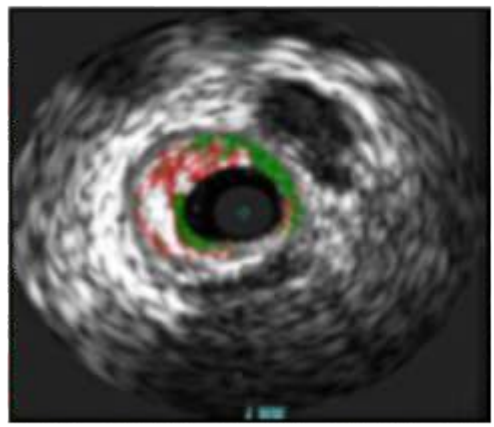

IVUS का उपयोग दोनों बातों को निर्धारित करने के लिए किया जाता है। यह उन स्थितियों में विशेष रूप से उपयोगी है जहां एंजियोग्राफिक इमेजिंग को अविश्वसनीय माना जाता है।

IVUS एकीकृत विधि के लाभ

यह अन्य नई टेक्नोलॉजी के लिए एक मंच बना हुआ है।

इसका तुरंत उपयोग किया जा सकता है और प्रोसीजर में कम समय लगता है

कमरों के बीच आने-जाने की व्यवस्था

प्रोसीजर रन में कम जगह लेता है

यह अन्य नई के लिए एक मंच बना हुआ है।

कामकाज के तरीकों में सुधार

मैरिंगो सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

भारत भर में प्रत्यारोपण के क्षेत्र में अग्रणी

7 लंग ट्रान्सप्लान्ट (फेफसा)

78 लीवर ट्रान्सप्लान्ट

261+ बोर्न मेरो ट्रान्सप्लान्ट

67 हार्ट ट्रान्सप्लान्ट (हृदय)

182 किडनी ट्रान्सप्लान्ट

Marengo CIMS Hospital
HUMANE BY PRACTICE

इंस्टिट्यूट ऑफ कार्डियक साइंसेस

सेंटर ऑफ एक्सलेंस

भारत की सबसे बड़ी हृदय चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम

ऊपर की पंक्ति में बाएँ से दाएँ: डॉ विपुल आहीर | डॉ धन्यता धोलकिया | डॉ चिंतन शेठ | डॉ निरेन भावसार | डॉ निकुंज व्यास
डॉ शौनक शाह | डॉ धीरेन शाह | डॉ धवल नायक | डॉ अमित चंदन | डॉ प्रणव मोदी | डॉ हिरेन धोलकिया
डॉ उल्हास पडियार | डॉ आकाश राजावात | डॉ ध्यानिल त्रिवेदी

नीचे की पंक्ति में बाएँ से दाएँ: डॉ तेजस वी. पटेल | डॉ सत्य गुप्ता | डॉ उर्मिल शाह | डॉ अनिश चंदाराणा | डॉ केयुर परीख
डॉ मिलन चग | डॉ अजय नायक | डॉ हेमांग बक्षी | डॉ हिरेन केवडिया | डॉ विपुल कपूर | डॉ कश्यप शेठ

कार्डियक एम. आर. आई.	4-डी इको	सीटी कोरोनरी एन्जियोग्राफी	ओसिटी	आई.वी.यू.एस.	एंगियोसार

उत्कृष्टता केंद्र: ईपी, पेसमेकर, सीआरटी/डी, आई.सी.डी., 3-डी कार्टो

इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी

• कोरोनरी एन्जियोग्राफी • बाईपास सर्जरी (CABG) • पेरिफेरल और कैरोटिड एन्जियोप्लास्टी
• हार्ट फेलर के लिए सिवाय की थेरेपी • रीनल डेनरवेशन थेरेपी (RDN)
• स्ट्रक्चरल हार्ट डिसीज के लिए परक्युटेनियस इंटरवेंशन - TAVI / TAVR • इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी स्टडी
• लेफ्ट वेंट्रिकुलर असिस्ट डिवाइस (LVAD) इम्प्लांटेशन • बैलून वाल्वोप्लास्टी

कार्डियक सर्जरी

• मिनिमली इनवेसिव हार्ट सर्जरी (MICS) • कोरोनरी एन्जियोप्लास्टी • एओर्टिक सर्जरी
• हृदय वाल्व सर्जरी • हृदय ट्यूमर सर्जरी • रोबोटिक बाईपास सर्जरी • बच्चों की कार्डियक सर्जरी

रोग-विशिष्ट क्लीनिक्स

• हृदय वाल्व क्लिनिक • STEMI पहल • स्ट्रक्चरल और वाल्वुलर डिसीज क्लिनिक और स्ट्रोक क्लिनिक
• हृदय ट्यूमर क्लिनिक • अरिथमिया क्लिनिक

MARENGO ASIA NETWORK HOSPITALS :
INDIA : Ahmedabad | Faridabad | Bhuj | Gurugram | Varanasi | Surat | Vadodara
INTERNATIONAL : Kingdom of Saudi Arabia

Marengo CIMS Hospital
HUMANE BY PRACTICE

हम आपकी पूरी देखभाल करते हैं!
कैशलेस सेवाएं, अब उपलब्ध हैं
मैरिंगो सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद में

कैशलेस बीमा | थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर (TPA) | सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (PSU) की सूची

बीमा कंपनियाँ
- द न्यू इंडिया एश्योरेंस
- नेशनल इंश्योरेंस
- यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस
- द ओरिएंटल इंश्योरेंस

टीपीए
- अलंकित हेल्थ केयर
- अनमोल मेडिकेयर
- अन्युता हेल्थकेयर
- ईस्ट वेस्ट असिस्ट
- एरिक्सन हेल्थकेयर
- फैमिली हेल्थ प्लान
- फोकस हेल्थसर्विसे
- जजेनिन्स इंडिया
- गुड हेल्थ प्लान
- ग्रान्ड हेल्थकेयर सर्विसेस
- हेप्पी इंश्योरेंस
- हेल्थ इंडिया
- हेल्थ इंश्योरेंस
- हेरिटेज हेल्थ
- एमडी इंडिया हेल्थकेयर
- मेड सेव हेल्थ केयर
- मेडि असिस्ट इंडिया
- मेदवांटेज इंश्योरेंस
- पार्क मेडिक्लेम
- पैरामाउंट हेल्थ सर्विसेस
- जरक्षा हेल्थ इंश्योरेंस
- रोथशील्ड हेल्थकेयर
- सेफवे हेल्थकेयर
- स्पूर्ति मेडिटेक
- श्री गोकुलम हेल्थ सर्विसेस
- विदाल हेल्थ
- विपुल मेड कॉर्प

निजी बीमा
- आदित्य बिरला हेल्थ
- बजाज आलियांज
- चोला एमएस
- मणिपाल सिग्ना
- डीएचएफएल
- एडेलवाइस
- गो डिजिट
- एचडीएफसी एर्गो
- आईसीआईसीआई लोम्बार्ड
- इफको टोकियो
- इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस
- लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस
- मैग्मा एचडीआई
- निवा बूपा (मैक्स बूपा)
- केयर हेल्थ
- रिलायंस जनरल
- एसबीआई जनरल
- स्टार हेल्थ एंड एलाइड
- टाटा एआईजी
- यूनिवर्सल सोम्पो
- एसीकेओ जनरल
- नवी जनरल इंश्योरेंस

सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (PSU)*
- एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया
- भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL)*
- भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL)
- केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (CGHS)*
- केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात (गांधीनगर)
- कोल इंडिया लिमिटेड
- दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी
- कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC)* (केवल कर्मचारी एवं पेंशनभोगी)
- ईसीएचएस (पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना)*
- फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया
- गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (GAIL)
- गुजरात मिनरल्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (GMDC)*
- गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (GSFC)
- गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (GEB) (GUVNL), GSECL, GETCO, UGVCL, PGVCL, MGVCL, DGVCL)
- हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (HUDCO)
- हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL)
- इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइज़र कॉर्पोरेशन (IFFCO)
- आयकर विभागइंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL)
- इंस्टीट्यूट फॉर प्लाज़्मा रिसर्च (IPR)
- इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइज़ेशन (ISRO)
- नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन (NHSRCL)
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑक्युपेशनल हेल्थ (NIOH)
- एनएचपीसी लिमिटेडऑयल इंडिया लिमिटेड
- ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ONGC) (मेहसाणा, अहमदाबाद आदि)
- ऑफिस ऑफ द डायरेक्टर जनरल ऑफ ऑडिट (सेंट्रल), गुजरात (ऑडिट भवन)
- ऑफिस ऑफ द प्रिंसिपल अकाउंटेंट जनरल (ऑडिट-I), ए.जी.एम.
- ऑफिस ऑफ द अकाउंटेंट जनरल (ऑडिट-II), ए.जी.एम.
- फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (PRL)
- राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (RGHS)*
- रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI)
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI)
- वेस्टर्न रेलवे
- आयुष्मान भारत – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) - केवल कैंसर एवं डायलिसिस उपचार के लिए*

Terms & Conditions Apply

अधिक जानकारी के लिए: +91-82380 95715 / 82380 95712

Marengo CIMS Hospital
Off.Science City Road, Sola, Ahmedabad - 380060

For emergency or appointment,
1800 309 9999

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2025-2027 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2027
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/NG/088/2025-27 valid upto 31st December, 2027

If Undelivered Please Return to
Marengo CIMS Hospital
Nr. Shukan Mall, Off Science City Road,
Sola, Ahmedabad-380060.
Call : 1800 309 9999

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 2823

MARENGO ASIA NETWORK HOSPITALS :
INDIA : Ahmedabad | Faridabad | Bhuj | Gurugram | Varanasi | Surat | Vadodara
INTERNATIONAL : Kingdom of Saudi Arabia

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से शक्ति ओफसेट, ए 62, पुष्पराज इन्डस्ट्रीझ एस्टेट, नूतन मील रोड, अदाणी सीएनजी स्टेशन के पीछे, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 से मुद्रित किया और सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।